डिज़ायर
वर्ष-7 अंक-11 जनवरी 2019
January 2019
Vol. 07 No. 11

विविधीकरण की राह पर अग्रसर है आईटीआई लि.

आजादी के बाद दूरसंचार क्षेत्र के लिए संवेदनशील उपकरण बनाने को गठित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आईटीआई (इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज) लिमिटेड विविधीकरण की राह पर अग्रसर है। तभी तो आज यह कंपनी कंपनी एसटीपी पाइप, प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, स्मार्ट इलेक्ट्रिक मीटर, जिओ फेंसिंग और बैंकिंग क्षेत्र के लिए स्मार्ट कार्ड बनाने के साथ नोट गिनने वाली मशीन भी बना रही है। इसी के साथ कंपनी को अलग-अलग क्षेत्रों से भारी मात्रा में काम भी मिल रहा है।

पिछले दिनों आईटीआई लिमिटेड ने 1,612 करोड़ रुपये के लिए गुजरात फाइबर ग्रिड नेटवर्क लिमिटेड (जीएफजीएनएल) द्वारा जारी भारतनेट चरण-2 की निविदा के दो पैकेजों में से एक हासिल किया है। भारतनेट चरण-2 परियोजना के हिस्से के रूप में जीएफजीएनएल का लक्ष्य 7500 ग्राम पंचायतों को भूमिगत ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से ब्लॉक करने और गीगाबिट निष्क्रिय ऑप्टिकल नेटवर्क (जीपीओएन) और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करके ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी का विस्तार करना है। इस परियोजना में ऑप्टिकल फाइबर, ट्रेंचिंग और फाइबर डालने की आपूर्ति शामिल है, जो राज्य के मुख्यालय से ब्रॉडबैंड को ब्लॉक स्तर तक ऑप्टिकल ट्रांसपोर्ट नेटवर्क उपकरण के माध्यम से विस्तारित करती है, और इसे ऑप्टिकल लाइन टर्मिनलों (ओएलटी) और ऑप्टिकल नेटवर्क टर्मिनलों का उपयोग करके ब्लॉक से ग्राम पंचायतों तक विस्तारित करती है। इसके अतिरिक्त, इस परियोजना में नेटवर्किंग प्रबंधन और नेटवर्क ब्रॉडबैंड नेटवोक लिमिटेड के नेटवर्क से नेटवर्क को जोड़ने के लिए अहमदाबाद में नेटवर्क प्रबंधन प्रणाली (एनएमएस) की स्थापना शामिल है। भरतनेट चरण-2 के तहत जुड़े ग्राम पंचायतों को दो पैकेजों में विभाजित किया गया है- 'बाकी गुजरात' के लिए पैकेज ए और सौराष्ट्र के लिए पैकेज बी।

इस संबंध में आईटीआई लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के. अलगेसन कहते हैं, 'भरतनेट चरण-2 के तहत, जीएफजीएनएल पैकेज ए आईटीआई की ऑर्डर बुक में एक मूल्यवर्धन होगा।' के. अलगेसन की मानें, तो आईटीआई जीएफजीएनएल पैकेज ए के लिए सबसे कम बोली लगाने वाला था, जबकि पैकेज बी को निजी ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाता जीटीपीएल हैथवे लिमिटेड द्वारा हासिल किया गया था। भारतनेट एक सरकारी परियोजना है, जिसका उद्देश्य देश में 250,000 ग्राम पंचायतों को उच्च स्पीड ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

आईटीआई लिमिटेड कंपनी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के. अलगेसन ने यह भी

बताया कि महाराष्ट्र में भारत नेट प्रोजेक्ट से आशय पत्र (एलओआई) प्राप्त किया है। आईटीआई लिमिटेड को दो पैकेज, ए और सी के लिए भारतनेट चरण-2 के कार्यान्वयन के लिए परियोजना कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) के रूप में चुना गया है। परियोजना महानेट भूमिगत या हवाई ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से ब्लॉक करने के लिए 13,000 ग्रामपंचायतों को डिजिटल रूप से जोड़ने की योजना बना रही है और आईपी-एमपीएलएस प्रौद्योगिकी-आधारित डिवाइस का उपयोग करके ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करती है। नेटवर्क वाई-फाई हॉट स्पॉट के माध्यम से ब्रॉडबैंड कवरेज प्रदान करेगा। आईटीआई लिमिटेड में 18 जिलों, 110 तालुक और 8,695 ग्राम-पंचायतों को शामिल किया जाएगा। परियोजना के दायरे में भूमिगत और हवाई ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) डालना शामिल है, जिसमें तालुक और जीपी के साथ-साथ नेटवर्क के रखरखाव में साइट सर्वेक्षण, योजना, खरीद, डिजाइन, कार्यान्वयन शामिल है। उल्लेखनीय है कि आईटीआई लिमिटेड ने हाल ही में आईसीटी-आईओटी आधारित समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला के निर्माण को कवर करने वाले प्रमुख स्टार्टअप और मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के

साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें सिविल और सैन्य उन्नत रडार सिस्टम, उन्नत एज राउटर सिस्टम, नेक्स्ट जेनरेशन 5जी प्रौद्योगिकी उत्पाद, डाटा स्टोरेज और नेटवर्किंग समाधान, डिजिटल सुरक्षा समाधान, उन्नत मीटरिंग समाधान और वाई-फाई उत्पादों और समाधान शामिल हैं। बेंगलुरु में आईटीआई के दो दिवसीय 'आईसीटी और आईओटी स्टार्टअप टेक एक्सपो' के पहले संस्करण के दौरान रेलवे राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) मनोज सिन्हा और दूरसंचार आयोग और सचिव, दूरसंचार विभाग, अरुणा सुंदरराजन की उपस्थिति में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। आईटीआई लिमिटेड के प्रबंध निदेशक के. अलगेसन की मानें, तो इस समझौते से आईटीआई स्टार्टअप के साथ साझीदारी में अपनी विनिर्माण क्षमताओं को विविधता प्रदान करने में मदद करेगा, जिससे आईटीआई के टिकाऊ बदलाव का समर्थन किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि आईटीआई लिमिटेड ने भारत में आयातित और स्वदेशी दूरसंचार उपकरणों के अनिवार्य परीक्षण की सुविधा के लिए अपने बेंगलुरु संयंत्र में अत्याधुनिक दूरसंचार परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए दूरसंचार इंजीनियरिंग केंद्र (टीईसी), नई दिल्ली के साथ एक समझौता भी किया है। यह मसौदा राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति 2018, डिजिटल संचार उपकरण और घटकों के घरेलू विनिर्माण पर जोर देता है। इसका लक्ष्य चिह्नित उत्पाद खंडों के लिए चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम शुरू करना है। आईटीआई अब कुछ और अभिनव उत्पादों का निर्माण करेगा।

डॉ. ज्योति कौल

डॉ. ज्योति कौल को आईटीआई में तीन दशकों से अधिक काम करने का व्यापक अनुभव है। वह कंपनी की विभिन्न इकाइयों में संचालन और विपणन के क्षेत्रों में बोर्ड में काम करने के बाद महाप्रबंधक के पद पर आसीन हुई हैं। ज्योति कौल के पास आईआईटी दिल्ली से एम. टेक की डिग्री धारक हैं, जबकि उनके पास फ्रांस के यूनिवर्सिटी ऑफ मॉटपेलियर से कंपोनेंट्स, सिस्टम्स एंड सिग्नल में पीएचडी की डिग्री भी है।

श्रीमती ई. के. जयश्री

जनरल मैनेजर (कॉरपोरेट मार्केटिंग), आईटीआई लिमिटेड, बेंगलुरु

श्रीमती ई. के. जयश्री, जनरल मैनेजर (कॉरपोरेट मार्केटिंग) केरल विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में डिस्टिंक्शन के साथ इंजीनियरिंग की डिग्री धारक है। वे आईटीआई लि. के पलक्कड़ प्लांट के ईडीपी विभाग में कार्यकारी अभियंता के रूप में जुड़ी हैं। समृद्ध उद्योगों के विभिन्न विभागों में 34 वर्षों का कार्यानुभव प्राप्त किया श्रीमती ई. के. जयश्री सूचना प्रौद्योगिकी, सामग्री प्रबंधन, व्यवसाय विकास, वाणिज्यिक, विनिर्माण, तकनीकी सहायता और परियोजनाएं, वित्त आदि जैसे विभागों का सफल नेतृत्व करने के बाद पलक्कड़ प्लांट की यूनिट हेड बनी है। श्रीमती ई. के. जयश्री ने स्व-निर्मित ईआरपी पैकेज के डिजाइन, विकास और कार्यान्वयन में मुख्य भूमिका निभाई थी और पलक्कड़ प्लांट के प्रमुख व्यावसायिक कार्यों को भी संचालित किया था। कुशल सामग्री प्रबंधन, नवीन व्यावसायिक पहल और कंपनी के पुनरुद्धार परियोजनाओं के कार्यान्वयन में उनका योगदान सराहनीय रहा है और इन्होंने बेहद शानदार प्रदर्शन किया है। ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष, सांस्कृतिक खेल और मनोरंजन क्लब के अध्यक्ष के तौर पर इन्होंने संगठन के सभी प्रदर्शनों में सक्रिय भूमिका निभाई है। हाल ही में इन्हें आईटीआई लि. के पलक्कड़ प्लांट के एजीएम की जगह यूनिट हेड, जनरल मैनेजर (कॉरपोरेट मार्केटिंग), बेंगलुरु के रूप में पदोन्नत किया गया था।

श्रीमती मालथी एम

56 वर्षीय श्रीमती मालथी एम ने 14 दिसंबर, 2017 को आईटीआई लिमिटेड के सीएफओ (मुख्य वित्तीय अधिकारी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कॉरपोरेट कार्यालय में आईटीआई लिमिटेड के सीएफओ के रूप में शामिल होने से पहले, वह पहली दिसंबर, 2008 से 5 अगस्त, 2017 तक, यानी 9 वर्षों तक पलक्कड़ यूनिट की यूनिट वित्त प्रमुख थीं। आईटीआई के बेंगलुरु प्लांट (एसडीसी) में डीजीएम (उप महाप्रबंधक विविध ऋण संग्रह) के 5 महीने की संक्षिप्त कार्यकाल के बाद वह 12 दिसंबर, 2017 को कॉरपोरेट कार्यालय में कॉरपोरेट वित्त प्रमुख के रूप में शामिल हुईं। वह 1986 बैच के इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की फेलो मेंबर हैं और उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से बी. कॉम (ऑनर्स) की डिग्री ली है। उन्होंने वित्त, लेखा, कराधान, आंतरिक लेखा परीक्षा, पीएफ के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग संचालन को भी बखूबी संभाला है। उन्हें वित्त सभी संबंधी सभी क्षेत्रों को संभालने का व्यापक अनुभव था और ग्रामीण विकास मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ रूरल डेवलपमेंट) के सामाजिक आर्थिक जाति जनगणना परियोजना और गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना (एमएचए) के मूल्य निर्धारण में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वह कॉरपोरेट सर्किल की एक जानी-मानी पेशेवर शख्सियत हैं, जिन्होंने वित्तीय वर्ष 2017-18 के दौरान बिना सरकार अनुदान के 102 करोड़ रुपये का मुनाफा कराया। 16 साल तक लगातार नुकसान उठाने के बाद कंपनी के एफपीओ (फॉलो ऑन पब्लिक ऑफर) को शामिल करने की प्रक्रिया में तेजी लाने में उसका योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने भारत के कई प्रतिष्ठित संस्थानों एवं संगठनों में विभिन्न सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है।

के.वी.सुंदरी

आईटीआई के बेंगलुरु प्लांट में अतिरिक्त महाप्रबंधक के पद पर कार्यरत के.वी.सुंदरी के जिम्मे फिलहाल कंपनी का व्यवसाय विकास, विपणन और गुणवत्ता आश्वासन प्रभाव है। गुइंडी के कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से इलेक्ट्रॉनिक्स और टेली कम्युनिकेशन में बी. ई एवं अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई और पांडिचेरी विश्वविद्यालय से एमबीए (मार्केटिंग) की डिग्री धारक के.वी.सुंदरी 27 मई, 1985 को आईटीआई के बेंगलुरु प्लांट में माइक्रोवेव परीक्षण विभाग में सहायक कार्यकारी अभियंता में शामिल हुई थीं। इन्होंने बीएसएनएल के लिए कई अलग परियोजनाओं में अपना अलग योगदान दिया है, जिनमें गीगाहर्ट्ज एनालॉग माइक्रोवेव उपकरण, डिजिटल यूएचएफ उपकरण, पीडीएच माइक्रोवेव उपकरण, बीएसएनएल के लिए जीएसएम/सीडीएमए बेस स्टेशन एंटेना, बीएसएनएल के लिए डिजिटल सर्किट गुणन उपकरण, बीएसएनएल के लिए आईएसएम बैंड में रेडियो मोडेम, रक्षा ग्राहकों के लिए क्लिप फोन आदि बनाना शामिल है। के.वी.सुंदरी को दूरसंचार उपकरणों के परीक्षण, सिस्टम इंजीनियरिंग, गुणवत्ता आश्वासन, वेंडर का विकास, व्यापार विकास, विपणन, विश्वसनीयता परीक्षण, आईएसओ प्रमाणन, बुनियादी ढांचे का विकास, प्रशिक्षण और कौशल विकास, इंस्ट्रूमेंटेशन, स्थापना और कमीशनिंग, अनुबंध विनिर्माण जैसे कार्यों में महारत हासिल है।

सिल्वी जगन्नाथ

58 वर्षीय सिल्वी जगन्नाथ की खासियत है कि इन्होंने आईटीआई कंपनी के सामान्यत: सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में काम किया है। ये बहुत अच्छी टीम लीडर और को-ऑर्डिनेटर होने के अलावा, स्व प्रेरित, लागत के प्रति अतिरिक्त जागरूकता बरतने वाली, भरोसेमंद और हार्ड वर्किंग शख्सियत हैं। एमबीए (वित्त) के साथ इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक सिल्वी जगन्नाथ आईटीआई में कई नए उत्पादों, नए उपकरणों और नए व्यापार मॉडल पेश करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही हैं। किसी भी अतिरिक्त जिम्मेदारी को लेने और इसे पूरी तरह सफल बनाने का आत्मविश्वास इनकी अतिरिक्त विशेषता है। इनकी खासियत रही कि हमेशा टर्न ओवर, फंड जुटाना जैसे कार्यों के लिए बड़े पैमाने पर योगदान देकर संगठन के बचाव में आगे आती रही हैं।